विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 1

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 17-07-2025 | समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल सात प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

कई लोग असाधारण अवसर की बाट जोहा करते हैं। साधारण अवसर उनकी दृष्टि में उपयोगी नहीं रहते, परंतु वास्तव में कोई अवसर छोटा-बड़ा नहीं है । छोटे-से-छोटे अवसर का उपयोग करने से, अपनी बुद्धि को उसी में भिड़ा देने से, वही छोटा अवसर बड़ा हो जाता है । सर्वोत्तम मनुष्य वे नहीं हैं, जो अवसरों की बाट देखते रहते हैं, परंतु वे हैं, जो अवसर को अपना दास बना लेते हैं । हमारे सामने हमेशा ही अवसर उपस्थित होते रहते हैं । यदि हम में इच्छा-शक्ति है, काम करने की ताकत है, तब तो हम स्वयं ही उनसे लाभ उठा सकते हैं । अवसर न मिलने की शिकायत कमज़ोर मनुष्य ही करते हैं । जीवन अवसरों की एक धारा है । स्कूल, कॉलेज का प्रत्येक पाठ, परीक्षा का समय, कठिनाई का प्रत्येक पल, सदुपदेश का प्रत्येक क्षण एक अवसर है । इन अवसरों से हम नम्र हो सकते हैं, ईमानदार हो सकते हैं, मित्र बना सकते हैं, उत्तरदायित्वों का मूल्य समझ सकते हैं और इस प्रकार उच्च मनुष्यता प्राप्त कर सकते हैं । ऐसे अनेक लोग हैं, जो अवसर को पकड़कर करोड़पति हो गए, परंतु अवसरों का क्षेत्र यहाँ समाप्त नहीं हो जाता । अवसर का उपयोग करके हम इंजीनियर, डॉक्टर, कला-विशारद, कवि और विद्वान भी बन सकते हैं । यद्यपि अवसरों के उपयोग से धन कमाना अच्छा काम है, परंतु धन से भी कहीं श्रेष्ठ कार्य सामने है । धन ही जीवन के प्रयत्नों का अंत नहीं है, जीवन के लक्ष्य की चरम सीमा नहीं है । अवसरों के सदुपयोग से हम सर्वदृष्टि से महत्त्वपूर्ण इंसान बन सकते हैं ।

(i) छोटा अवसर भी कब बड़ा और असाधारण हो जाता है ? (1)

(क) जब हम में उससे लाभ उठाने की क्षमता हो ।

(ख) जब हम बड़े अवसर की प्रतीक्षा में उसकी अपेक्षा नहीं करते ।

(ग) जब आलस्य के कारण उसके उपयोग से वंचित नहीं होते ।

(घ) जब हम पूरी लगन से उसका भरपूर उपयोग करते हैं ।

(ii) अवसर का लाभ उठाया जा सकता है- (1)

(क) अवसर की राह देखने से ।

(ख) अनेक अवसरों में उपयोगी अवसर की पहचान से ।

(ग) कठिनाइयों को सहन करने से ।

(घ) कार्य करने की उत्कृष्ट लालसा एवं शक्ति के भरपूर उपयोग से ।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1)

कवन (A): अवसर न मिलने की शिकायत कमजोर मनुष्य करते हैं ।

कारण (R): कमजोर मनुष्य अवसरों का उपयोग नहीं करते लेकिन उचित अवसर न मिलने की शिकायत करते हैं ।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(ख) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है ।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(iv) जीवन को अवसरों की एक धारा क्यों कहा है ? (2)

(v) गद्यांश हमें क्या संदेश देता है ? (2)

खंड - 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (1x7=7)

(i) प् + र् + आ + र् + थ् + अ + न् +आ (वर्णों को संयोजित करके शब्द बनाइए)

(ii) युद्ध (दो पर्यायवाची शब्द लिखिए)

(iii) साक्षर, वरदान (सही विलोम लिखिए)

(iv) स्वचालित (उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए)

(v) _____ (आलसी) मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है । (कोष्ठक में लिखे विशेषण को भाववाचक संज्ञा में बदलिए)

(vi) जो परिश्रम करेगा वह अवश्य सफ़ल होगा । (सर्वनाम पहचानकर भेद लिखिए)

(vii) नभ पर चम-चम चपला चमकी । (काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर भेद लिखिए)

खंड - 'ग'

3. गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x4=4)

बदलू यह कार्य सदा ही एक मचिये पर बैठकर किया करता था जो बहुत ही पुरानी थी । बगल में ही उसका हुक्का रखा रहता जिसे वह बीच-बीच में पीता रहता । गाँव में मेरा दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता । वह मुझे 'लला' कहा करता और मेरे पहुँचते ही मेरे लिए तुरंत एक मचिया मँगा देता । मैं घंटों बैठे-बैठे उसे इस प्रकार चूड़ियाँ बनाते देखता रहता । लगभग रोज ही वह चार-छह जोड़े चूड़ियाँ बनाता । पूरा जोड़ा बना लेने पर वह उसे बेलन पर चढ़ाकर कुछ क्षण चुपचाप देखता रहता मानो वह बेलन न होकर किसी नव-वधू की कलाई हो ।

(i) लेखक बदलू से अधिकतर कब मिलते थे ?

(क) रात के समय (ख) सवेरे के समय (ग) शाम के समय (घ) दोपहर के समय

(ii) बदलू प्रतिदिन कितनी चूड़ियाँ बना लिया करता था ?

(क) तीन-चार जोड़े (ख) चार-छह जोड़े (ग) चार-पाँच जोड़े (घ) पाँच-छह जोड़े

(iii) बेलन पर चढ़ी चूड़ियाँ बदलू को कैसी लगती थीं ?

(क) नारी की कलाइयों जैसी (ख) नई जैसी

(ग) बहुत सुंदर (घ) नववधू की कलाई पर सजी जैसी

(iv) लेखक द्वारा बदलू के लिए मचिया मँगवाने से किस भाव की पुष्टि होती है ?

(क) दयालुता के भाव की (ख) समानता के भाव की

(ग) सहानुभूति के भाव की (घ) सम्मान देने के भाव की

4. पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x3=3)

हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले ।
अब अपना और पराया क्या ?
आबाद रहें रुकने वाले !
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बँधन तोड़ चले ।

(i) भिखमंगों की दुनिया किस प्रकार की है ?
(क) भिखमंगे अजीब होते हैं
(ख) भिखमंगे बहुत विचित्र होते हैं
(ग) भिखमंगे दया नहीं करते
(घ) भिखमंगे लेना जानते हैं, देना नहीं

(ii) दीवानों के सीने पर किस असफलता का भार है ?
(क) लोगों को प्रेम बाँटना सिखा सके (ख) लोगों को प्रेम न दे सके
(ग) लोगों को धन बाँटना न सिखा सके (घ) लोगों के सुख-दुःख में शामिल न हो सके

(iii) दीवाने लोगों के लिए क्या कामना करते है ?
(क) सभी मिलकर रहें (ख) सभी स्वस्थ रहें
(ग) सभी हँसी-ख़ुशी भरा जीवन बिताएँ (घ) सभी मेहनत करना सीखें

5. निम्नलिखित चार में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x3=9)

(i) लेखक को बदलू से जुड़ाव क्यों था ?
(ii) लेखक और उसके मित्रों ने शाम की बस से यात्रा करने का निर्णय क्यों लिया ?
(iii) लेखक ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन और बस की स्थिति के बीच क्या समानता बताई है ?
(iv) कवि ने अपनी हस्ती को दीवाना क्यों कहा है ?

खंड - 'घ'

6. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए | (1x5=5)

(क) किसी पर्वतीय प्रदेश की यात्रा
संकेत बिंदु-
- एक सुखद स्वपन की पूर्ति
- रोमांचक यात्रा
- चिरस्मरणीय क्यों
- उपसंहार

(ख) नारी और नौकरी
संकेत बिंदु-
- भारत की प्राचीन परंपरा
- आधुनिक युग की नारी
- नारी अपने अस्तित्व के प्रति सतर्क
- निष्कर्ष

(ग) आधुनिक जीवन और प्राचीन ग्रंथ

संकेत बिंदु-

- ग्रंथ हमारी अमूल्य धरोहर
- हमारे प्रेरणा- स्रोत
- जीवन पर प्रभाव
- निष्कर्ष

7. आपके क्षेत्र में विद्युत्-आपूर्ति नियमित रूप से नहीं हो रही है । विद्युत् अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए और उन्हें अपनी समस्याओं के विषय में बताकर, उनसे अनुरोध कीजिए कि वे तत्काल विद्युत् -आपूर्ति नियमित कराने की व्यवस्था करें । (लगभग 100 शब्दों में) (1x5=5)

अथवा

कक्षा में चोरी की घटनाओं की सूचना देते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।